

UGC NET Paper 3 June 26, 2011 Shift 1 Geography Question Paper

PAPER-III
GEOGRAPHY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

J	8	0	1	1
---	---	---	---	---

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

- (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
- (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
(ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

GEOGRAPHY

भूगोल

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I

खण्ड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks, each to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

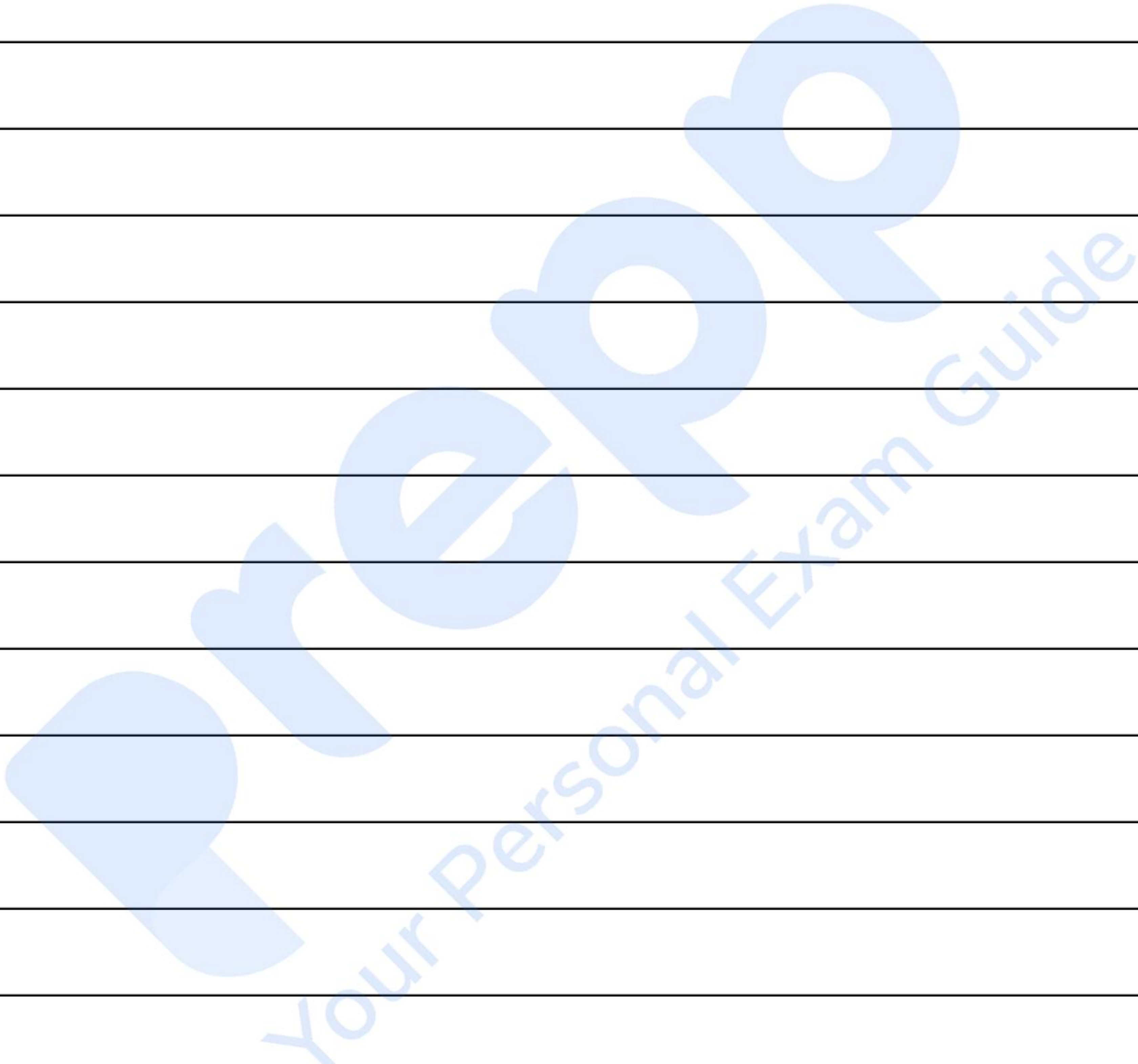
नोट : इस खंड में बीस-बीस अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पाँच सौ (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

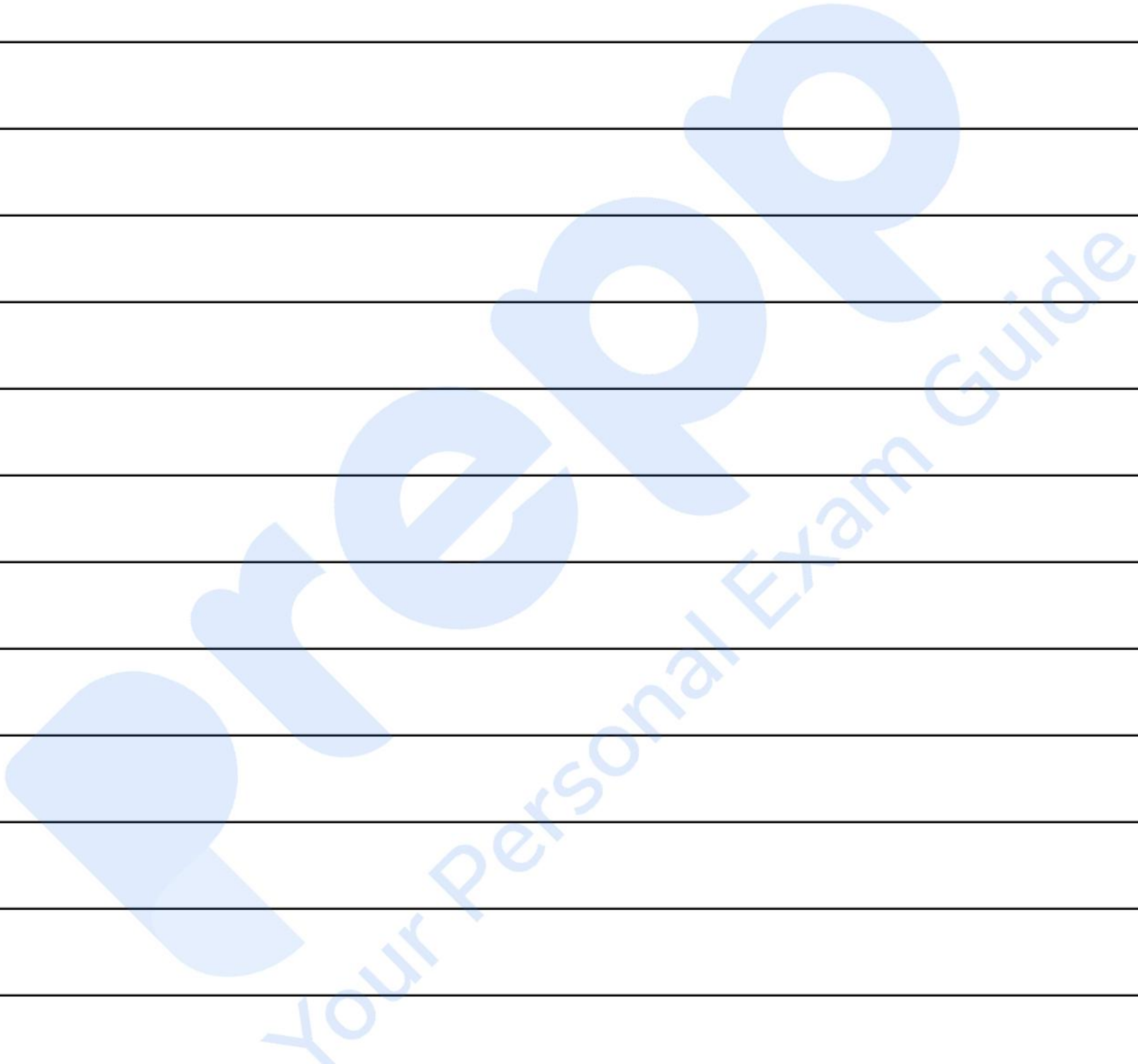
1. Discuss the views of Penck, Wood and King on the evolution of slopes.
ढालों के क्रम-विकास पर पेंक, वुड तथा किंग के दृष्टिकोणों की विवेचना कीजिए ।

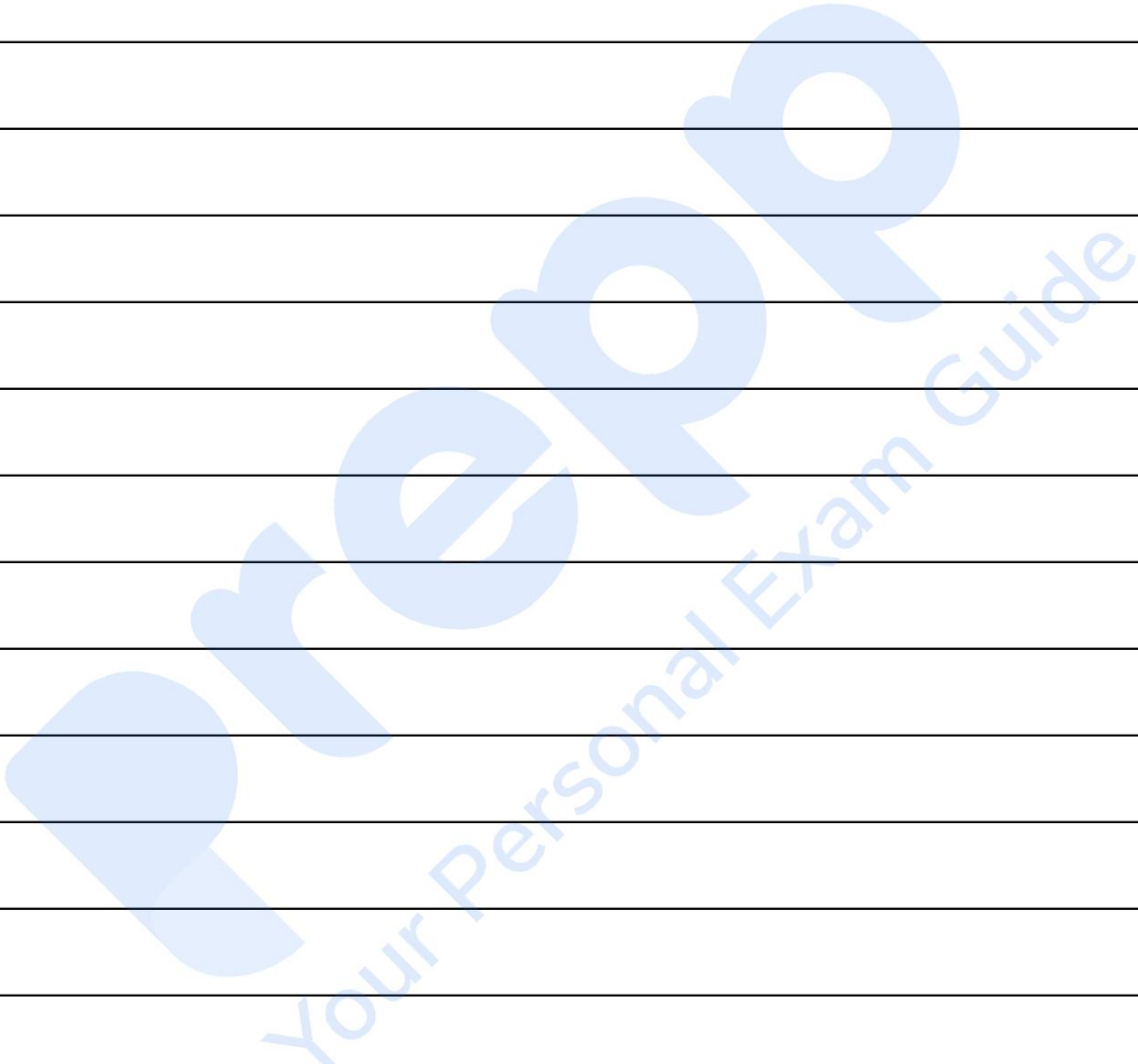
OR / अथवा

Comment on the occurrences of various types of natural hazards and human response to them.

विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं तथा उनके प्रति मनुष्य की प्रतिक्रिया पर टिप्पणी कीजिए ।





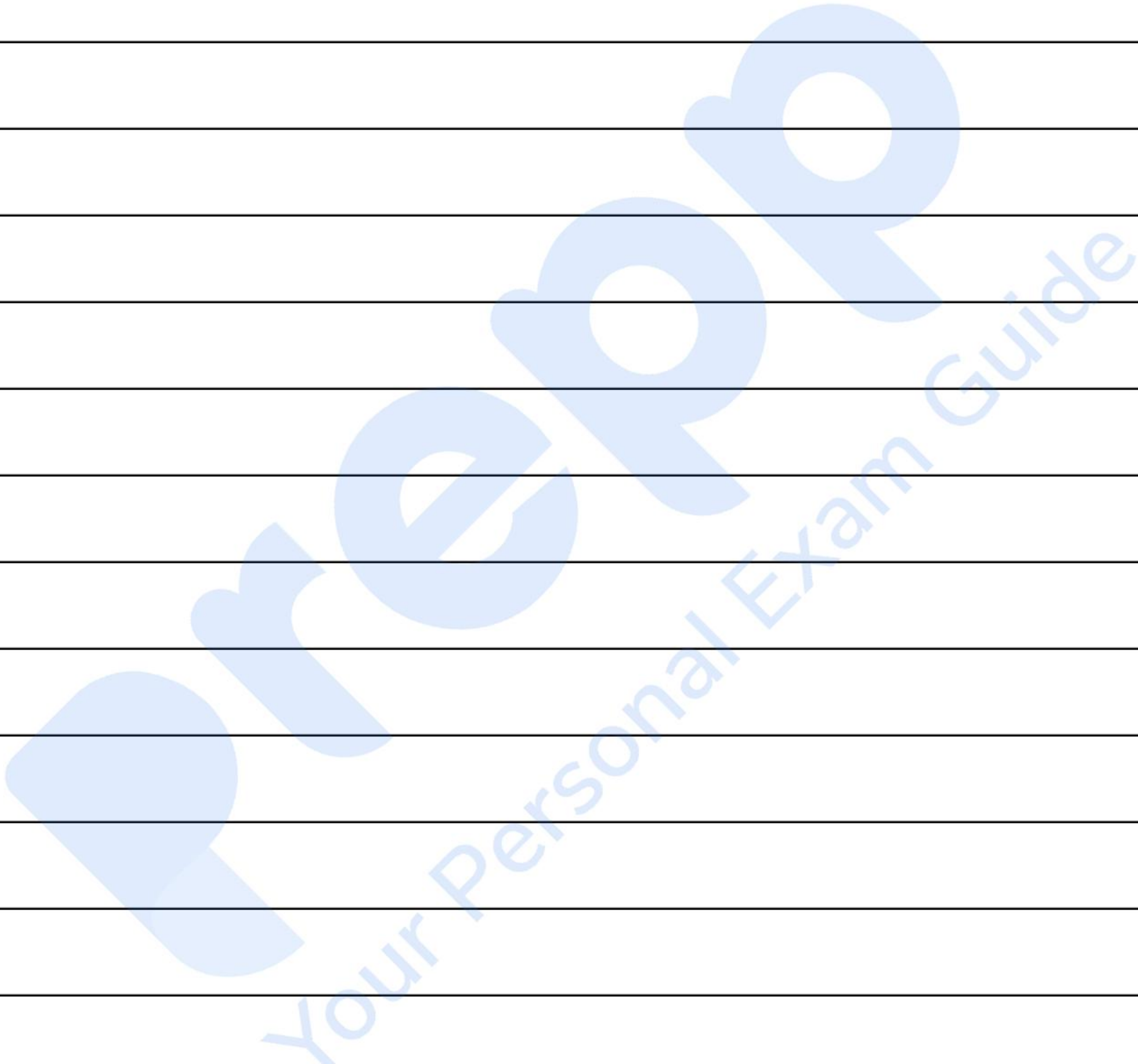


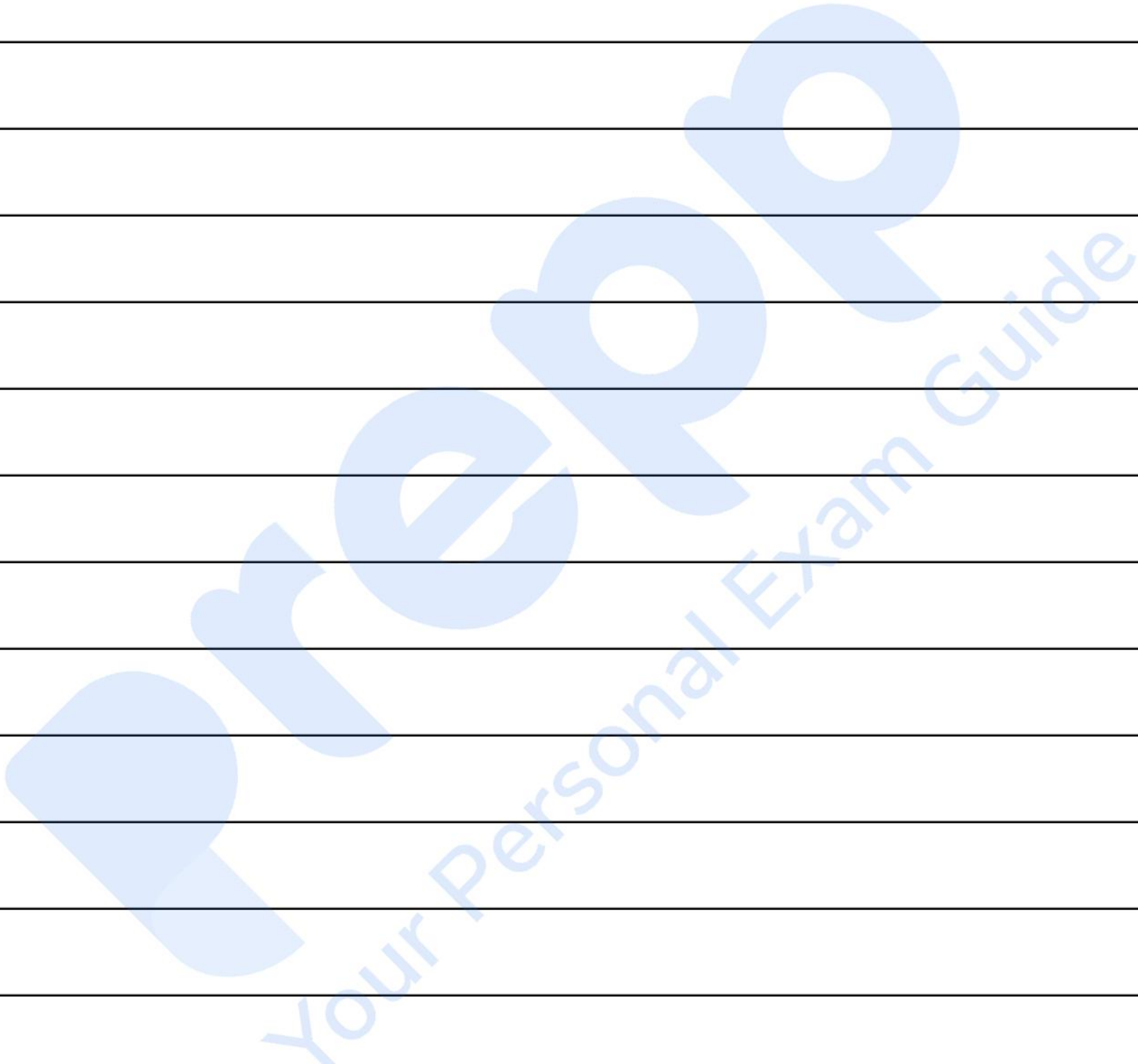
2. Discuss the paradigm shift in geography.
भूगोल में पैराडाइम अन्तरण की विवेचना कीजिए ।

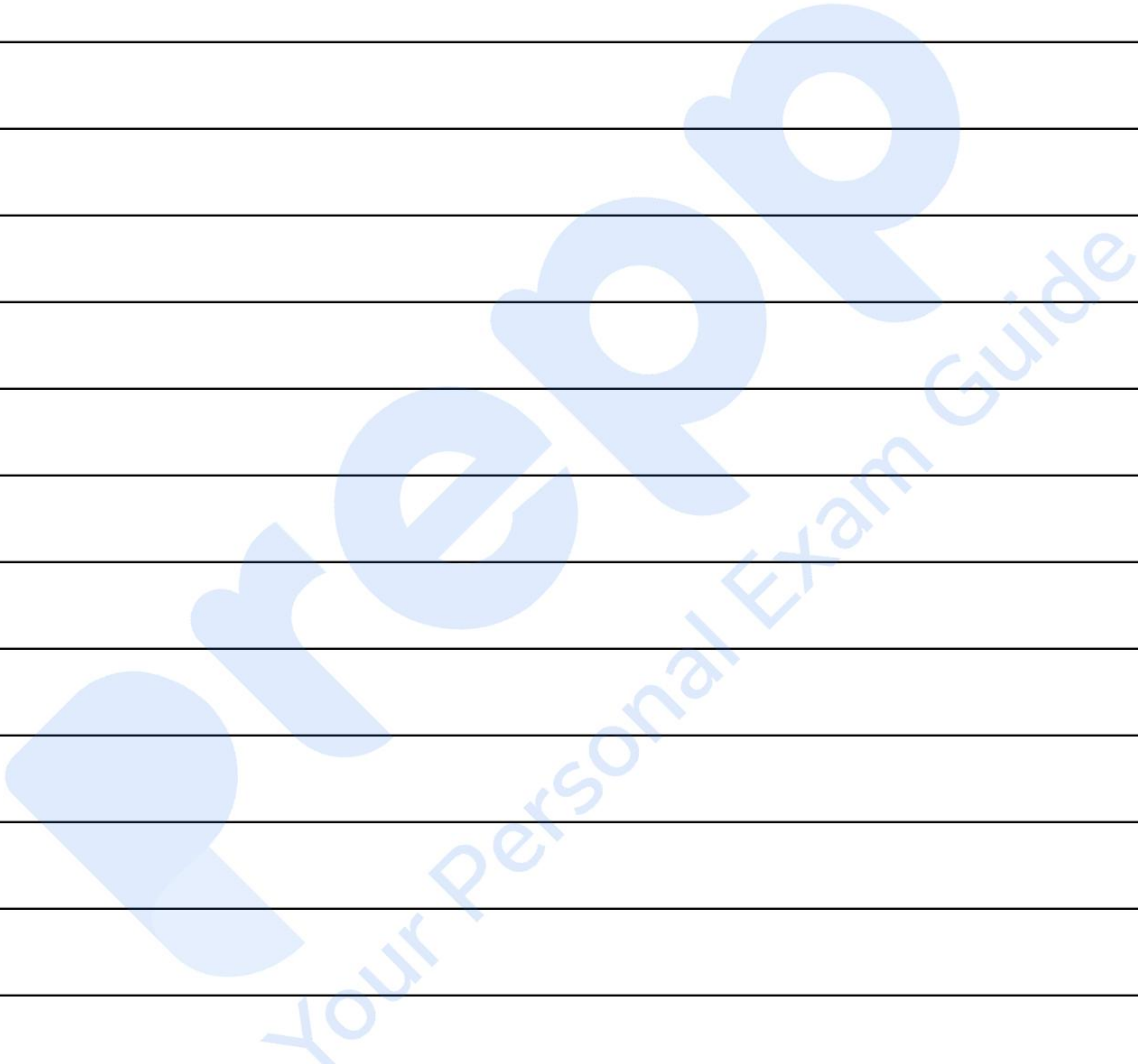
OR / अथवा

Critically examine the central place theory and its relevance to regional planning.
केंद्रीय-स्थान सिद्धान्त तथा प्रादेशिक नियोजन में इसकी प्रासंगिकता का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।









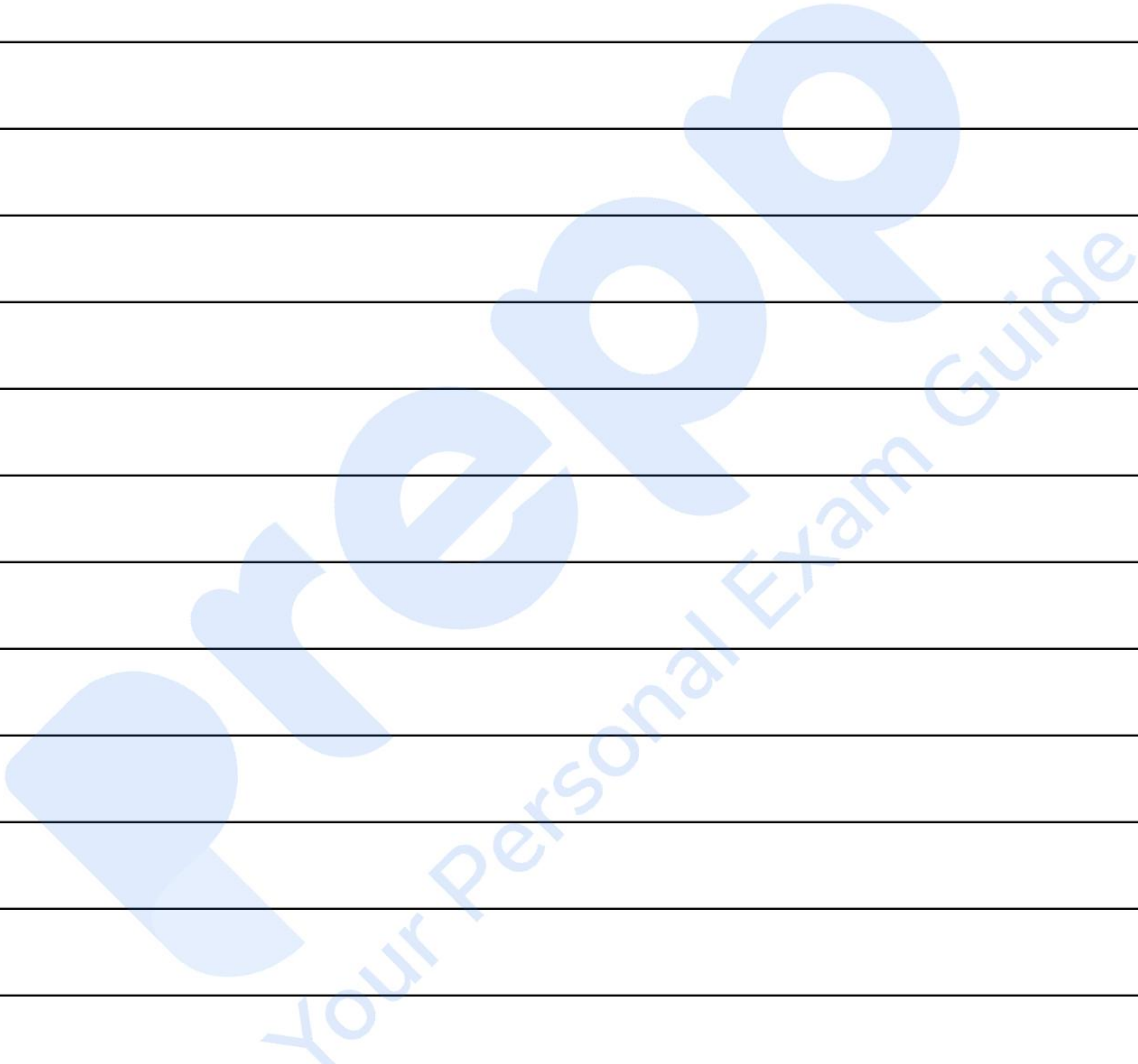
SECTION – II

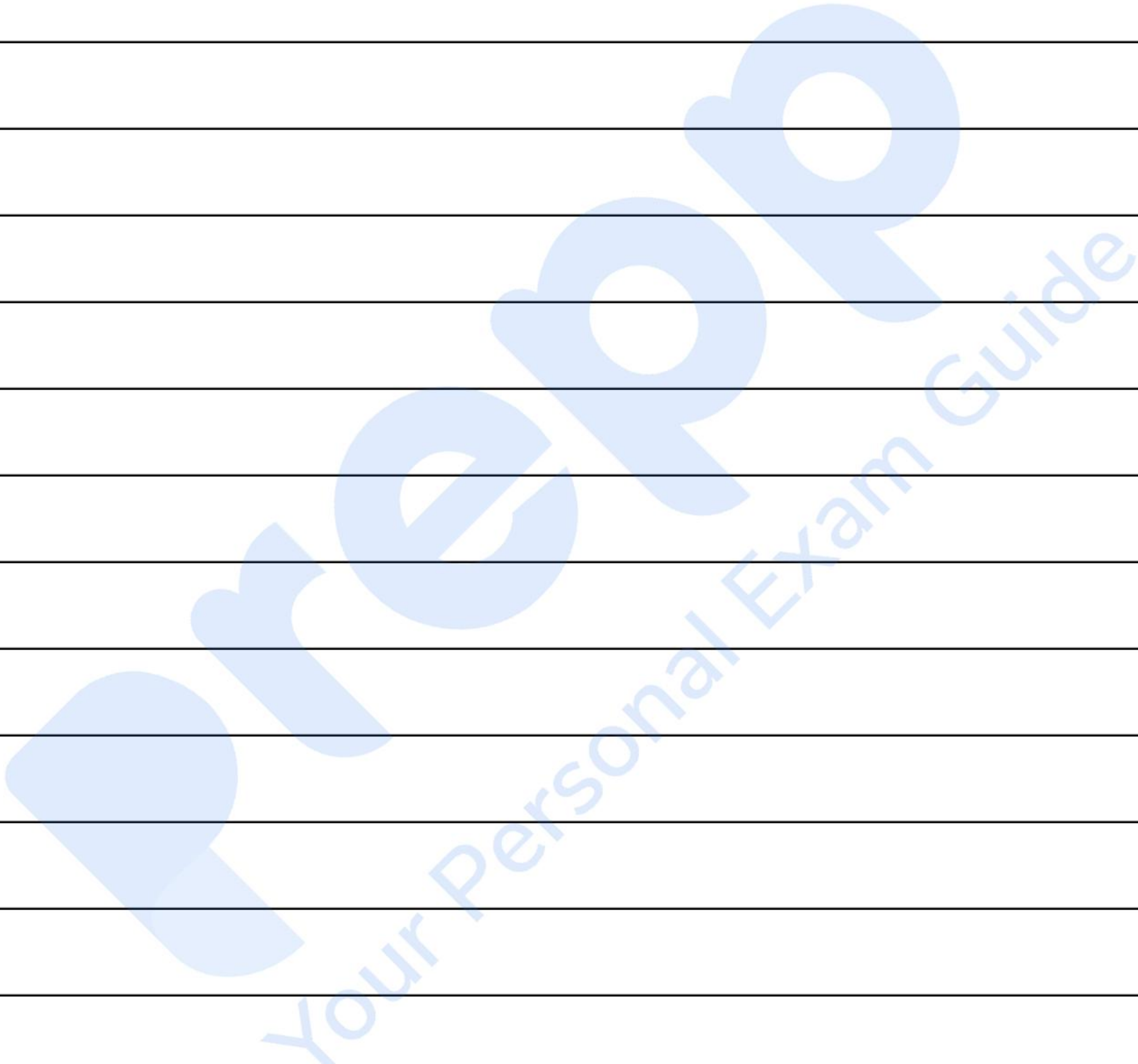
खण्ड – II

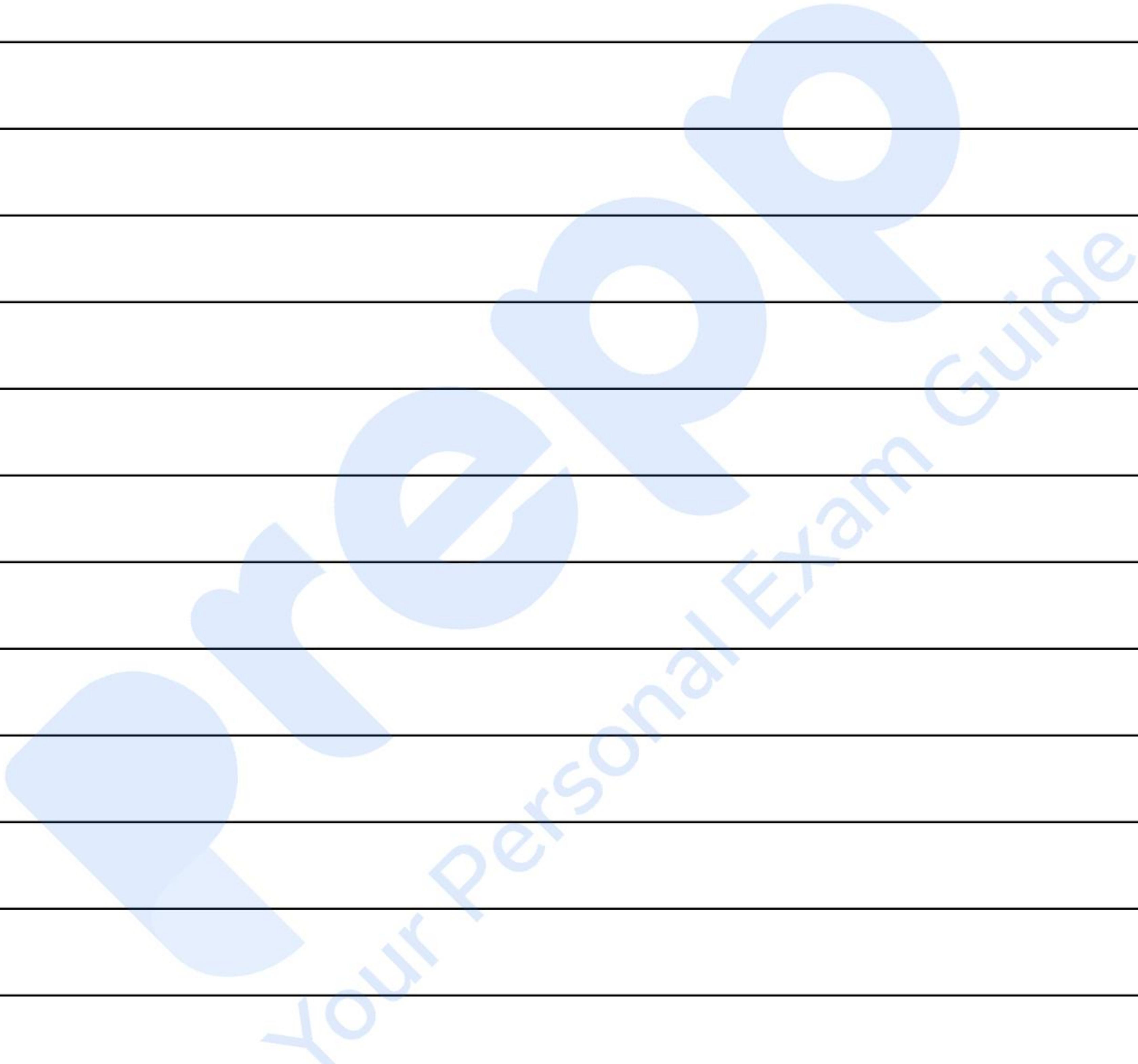
Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks, each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

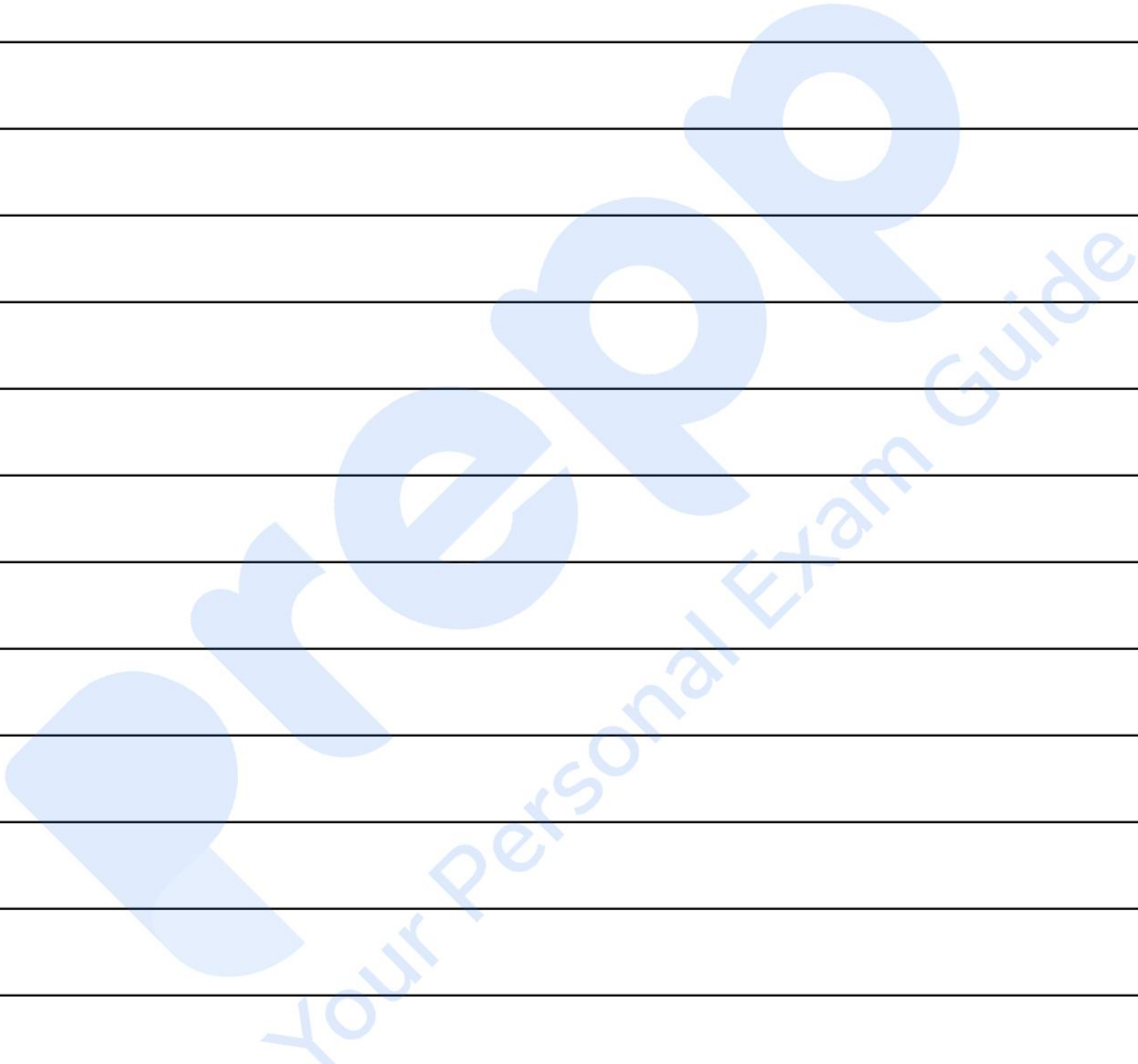
नोट : इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

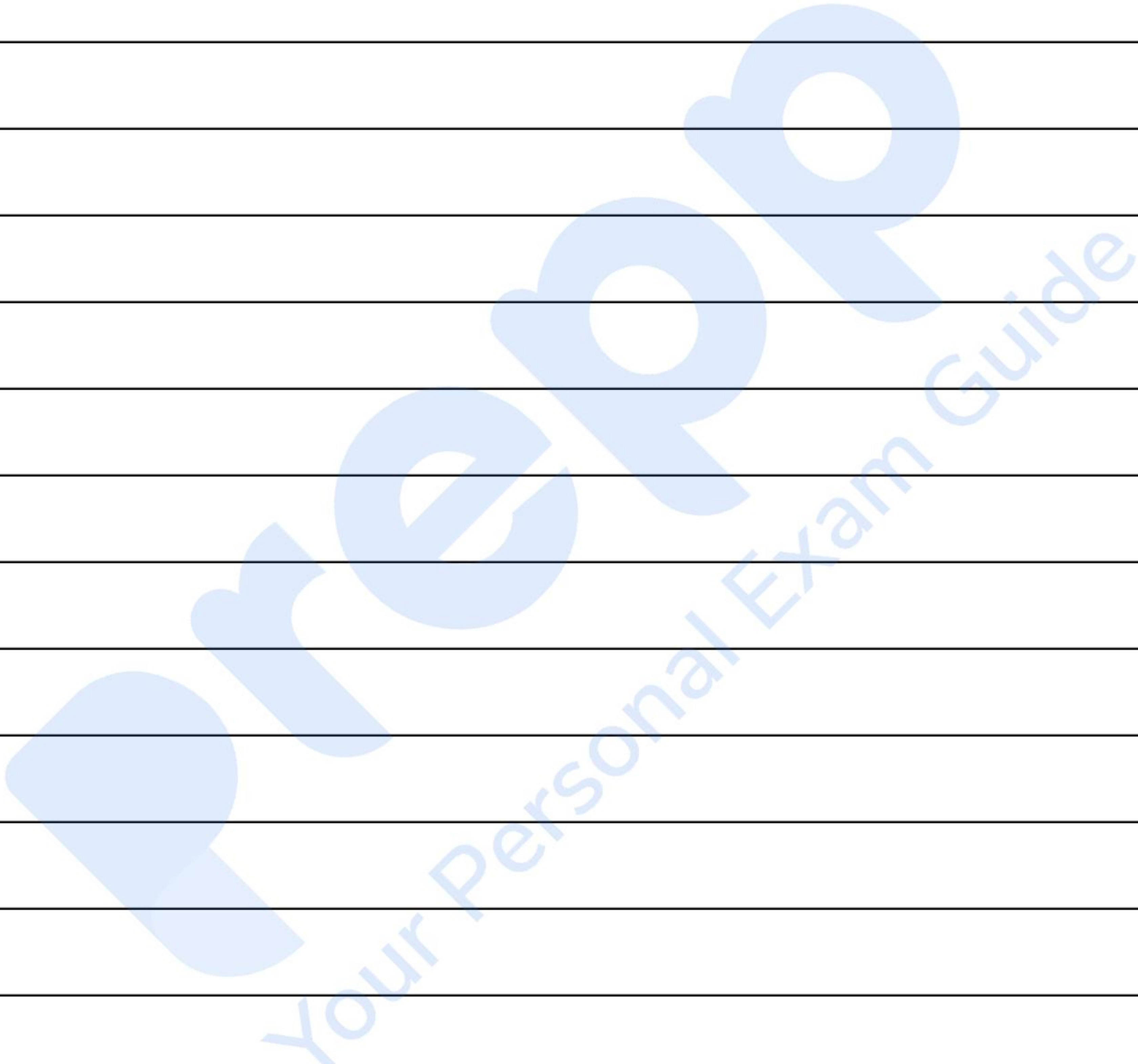
3. Explain the role of jet stream in the mechanism of monsoon.
मानसून की क्रियाविधि में जेट-प्रवाह की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।
4. Explain the concept of radicalism in geography.
भूगोल में आमूल परिवर्तनवाद की संकल्पना की व्याख्या कीजिए ।
5. Mention the physiographic characteristics of the Northern Plains of India.
भारत के उत्तरी मैदानों के भूआकृतिक अभिलक्षणों का उल्लेख कीजिए ।

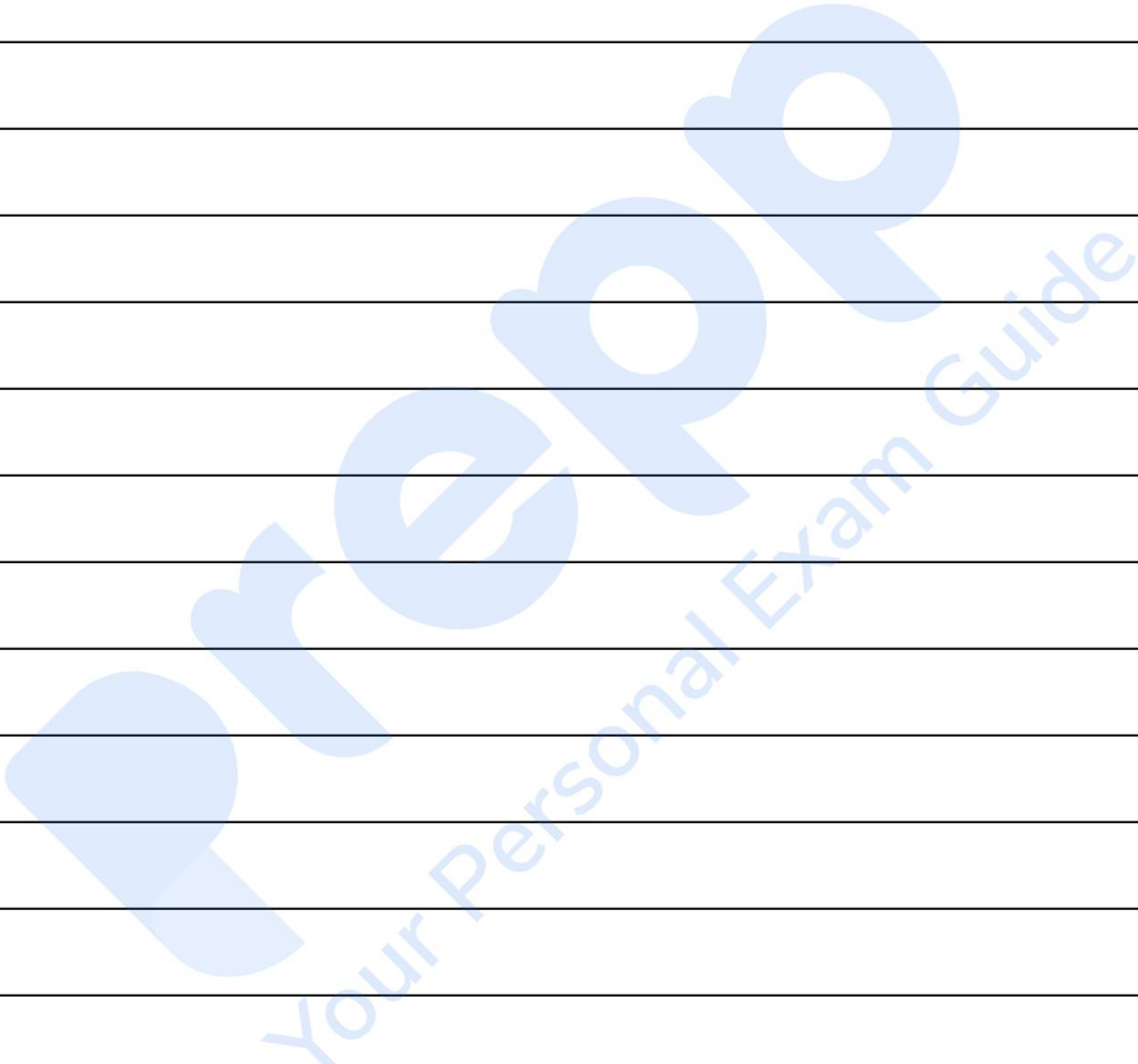


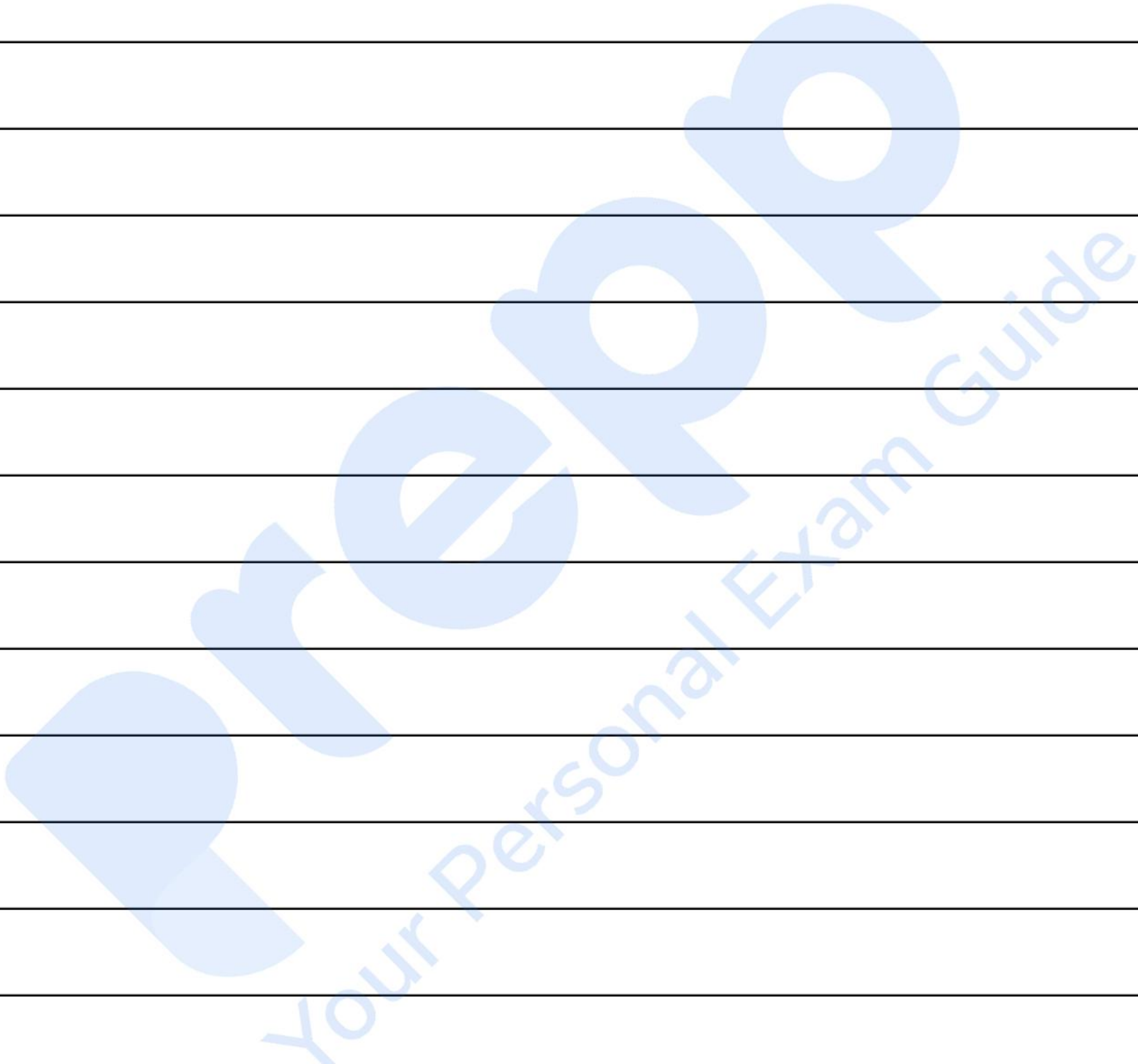












SECTION – III
खण्ड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Differentiate between El Nino and La Nina.
एल निनो तथा ला नीना के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।

7. Explain the process of desertification.
मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए ।

8. Mention the characteristics of black cotton soil in India.
भारत में काली कपास मृदा के अभिलक्षणों का उल्लेख कीजिए ।

9. Differentiate between renewable and non-renewable resources.
नवकरणीय तथा अनवकरणीय संसाधनों के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।

10. Differentiate between nation and nation state.
राष्ट्र तथा राष्ट्र-राज्य के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।

11. Define social well-being.
सामाजिक कल्याण (वेल-बीईंग) को परिभाषित कीजिए ।

12. Mention the factors that influence the variation in salinity in sea water.

समुद्री जल की लवणता में भिन्नता को प्रभावित करने वाले कारकों का उल्लेख कीजिए ।

13. Define Urban Fringe.

नगरीय उपांत को परिभाषित कीजिए ।

14. Differentiate between determinism and neo-determinism.
निश्चयवाद तथा नव निश्चयवाद के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।

SECTION – IV**खण्ड – IV**

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

The movement that led to the quantitative revolution in geography was begun by physicists and mathematicians. It first transformed the physical and then the biological sciences, and by the 1950s, was strongly represented in most of the social sciences. The movement towards quantification was part of the general spread and growth of modes of scientific analysis into a world formerly dominated by a concern with the exceptional and the unique. As Burton noted, geography has long been a “following” rather than a “Leading” discipline, in that the main currents of thought adopted at various stages in geography have led to their origins in other fields. Thus, the mechanistic approach in the nineteenth century science found expression in a deterministic cause and effect approach to the study of man-environment

relationships. There was a similar mechanistic flavour in much of the recent work of quantifiers. It was as if geography was reemerging after having lapsed into ideography which had followed the retreat from environmental determinism, but although quantification in geography had been mechanistic in orientation, the new techniques being used were, in line with the prevailing trend in contemporary science, probabilistic.

भूगोल में मात्रात्मक क्रांति उत्पन्न करने वाला आंदोलन का सूत्रपात भौतिकीविदों तथा गणितज्ञों ने किया। इसने पहले भौतिक तथा उसके बाद जीव-विज्ञानों का रूपान्तरण किया, तथा 1950 के दशक तक समस्त सामाजिक विज्ञानों में इसका सशक्त प्रतिनिधित्व हो गया। मात्राकरण की दिशा में आंदोलन, अपवादात्मकता एवं अनन्यता से सरोकार की प्रधानता वाले पूर्वकालीन विश्व में वैज्ञानिक विश्लेषण की रीतियों के प्रसार तथा वृद्धि का एक सामान्य हिस्सा था। जैसा कि बर्टन ने उल्लेख किया है, लंबे समय तक भूगोल एक अग्रगामी शास्त्र के बजाय अनुगामीशास्त्र बना रहा - इस अर्थ में कि विभिन्न अवस्थाओं में भूगोल में अपनाई गई चिंतन की मुख्य धाराओं की उत्पत्ति अन्य क्षेत्रों में हुई थी। इस प्रकार उन्नीसवीं शताब्दी के विज्ञान के यांत्रिक उपागम को मानव-पर्यावरण अंतर्संबंध के अध्ययन के निश्चयवादी कार्य-कारण उपागम के रूप में अभिव्यक्ति मिली। मात्रात्मकतावादियों की हाल की अधिकतर रचनाओं में इसी प्रकार का यांत्रिक वैशिष्ट्य प्रदर्शित हुआ। यह ऐसा था जैसे पर्यावरणीय निश्चयवाद से वापस आने वाले इडियोग्राफी में व्यवगत होने के बाद भूगोल का पुनः आविर्भाव हो रहा था। परन्तु, यद्यपि भूगोल में मात्रात्मकता का अभिमुखीकरण यांत्रिक था, तथापि, प्रयोग की जाने वाली नवीन तकनीकें समसामयिक विज्ञान में प्रचलित प्रवृत्तियों अर्थात् संभाव्यतावाद, से सुसंगत थीं।

15. Why did geography could not be a “Leading Science” ?
भूगोल क्यों एक ‘अग्रगामी विज्ञान’ नहीं बन सका ?

16. Why did quantitative geography in its later developments get freed from a deterministic method ?
अपने बाद के विकास में मात्रात्मक भूगोल क्यों निश्चयवादी विधि से मुक्त हुआ ?

17. Why a mechanistic flavour could be discerned in application of quantitative methods in its early development ?
इसकी प्रारम्भिक अवस्था में मात्रात्मक विधियों में यांत्रिक वैशिष्ट्य क्यों दृष्टिगोचर हुआ ?

18. Did quantitative revolution in some respect represent moving away from ideographic approach of the earlier decades in American geography ?
- क्या मात्रात्मक क्रान्ति अमरीकी भूगोल में शुरु के दशकों में प्रचलित इडियोग्रफिक उपागम से विचलन का प्रतिनिधित्व करती है ?

19. Why did quantitative revolution in its early phases affect more in areas related to physical geography than in human geography ?

अपनी आरम्भिक अवस्थाओं में मात्रात्मक क्रांति ने मानव भूगोल की अपेक्षा भौतिक भूगोल से संबंधित क्षेत्रों को क्यों अधिक प्रभावित किया ?

Space For Rough Work



FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)
(in figures)
Signature & Name of the Coordinator
(Evaluation) Date